

फाईल संख्या File No 915/11/c/7/1975pal
खण्ड संख्या Volume No. III

**भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
प्रधान मंत्री कार्यालय
PRIME MINISTER'S OFFICE**

अनुभाग / प्रभाग

SECTION/DIVISION

टिप्पणियाँ / पत्राचार

NOTES/CORRESPONDENCE

..... को सूचीकृत की गई¹
Indexed on

विषय
SUBJECT

आद्याक्षर
Initials

**अभिलेख क/ख
Record A/B**

अभिलेख ग मे नष्ट किया जाए
Record C Destroy in

अनुभागीय नोट बुक में नोट किया जाए
नोट न किया जाए

To be noted in Sectional Note Book
Not to be noted

अनु. अ./अधीक्षक के आद्याक्षर
Initials of S.O./Supdt.

लिपिक के आद्याक्षर

CONTENTS					
NOTES		S. Nos.		Pages	
CORP.	From	To	From	To	
			1-28		

पिछले हवाले

बाद के हवाले

M-2, v-1-Q



भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
प्रधान मंत्री कार्यालय
PRIME MINISTER'S OFFICE
नई दिल्ली-110011
NEW DELHI-110011

Forwarded to..... Secretary
M/o Home Affairs

को उचित कायदाही के लिए प्रेषित
for appropriate action
इस पत्र को प्राप्ति सूचना नहीं मेजी गई है।
The Communications has not been
acknowledged.

(बिल्लु कुमार ढल)
(B. K. DHAL)

उदास सचिव
Under Secretary
प्रधान मंत्री कार्यालय
Prime Minister's Office

प्रधान मंत्री कार्यालय ग्र० पत्र स०

दिनांक.....

Prime Minister's Office U.O. No.....

Dated.....

27.1.2000

✓ 1 (एवं)
→ 3 26/1

915/11/c/9/99 P.M.

भारतीय जनता पार्टी

डॉ. सुधीर कीरज नेलसन

सिलवर ओक अस्पताल
जबलपुर (म.प्र.) 482 002
0761 324556 324557 28252
गि. 324505



राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

भा.ज.पा.,

अन्पसंबद्धक मोर्चा

सदस्य - राष्ट्रीय कार्यकालिणी

सदस्य - जनजाति मोर्चा

दिनांक : 20/1/2000

प्रति,

माननीय प्रधानमंत्री जी,
भारत सरकार,
नई दिल्ली.

प्रति,

सादर प्रणाम,

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की अस्थियाँ एवं पुष्प त्रिपुरी जबलपुर में स्थापनार्थ ।

त्रिपुरी कॉंग्रेस अधिवेशन 1939 में कॉंग्रेस को त्यागकर नेताजी ने गरम दल और और (आई.एन.ए) आजाद हिन्द फौज का गठन किया । हम आपसे अनुरोध और प्रार्थना करते हैं कि त्रिपुरी जबलपुर में पुण्यसिलिला नर्मदा के तट पर रिकौजी मंदिर स्थापित कर उसमें राष्ट्रीय स्मारक बनाकर नेताजी के पुण्य अवशेष भारत लाने में सहायता करें ।

अवशेष प्राप्त होने और उन्हें प्राप्त करने के बाद स्मारक बनाने से हमारी देशभक्ति की भावनाओं को दृढ़ता ही मिलेगी ।

कतिपय लोगों को इन अवशेषों में विश्वास नहीं है किन्तु इन चन्द लोगों के लिए अधिकांश भारत को निराश नहीं किया जा सकता । आप दिनांक 23 जनवरी को कृपया घोषित कर दें कि आप हमें जापान से अस्थि-पुष्प प्राप्त करने की हमारी अपनी व्यवस्था में भारत सरकार की ओर से कोई व्यवधान नहीं आने देंगे । यह हमारी अस्थि अपनी अस्थि का, श्रद्धा का प्रश्न है ।

सधन्यवाद,

विनम्र

(डॉ. सुधीर "कीरज" नेलसन)

सदस्य राष्ट्रीय कार्य समिति भा.ज.पा.

Dr. NELSON SK

MA, MBBS, MS, MSc, DPL

441105(7)19123511

NATIONAL SECRETARY BJP
(MINORITY CELL)

MEMBER: STATE EXECUTIVE BJP

इत्काक

एतमाद

कुरबानी



आल इन्डिया आई एन ए कमेटी

(शिष्ठ्यन नेशनल आर्मी)

(स्थापित - 1945)

82, दरिया गंज, दयानन्द मार्ग, नई दिल्ली, फोन : 3273532

No. 35
12 Jan: 2000

कैप्टन एस. एस. यादव
महामन्त्री

To

Dr. S.K.Nelson,
Silver Oak Hospital,
Jubbalpur(MP), -PIN-482 002.

Dear Dr.Nelson,

Jai Hind. Very many thanks for yours of 31st Dec: 99. Since 1958, the All India INA Committee has been requesting the succeeding Governments to bring the Ashes of Netaji Subhas Chandra Bose, who liberated our Country from British Domination but from Smt. Indira Gandhi, Rajiv Gandhi, V.P. Singh, I.K. Gujral all have been putting off the burning issue of Netaji's Ashes with the pretext there is controversy regarding Air Crash on 18-8-1945. A few persons, who claim that Netaji did not die in Air Crash have been keeping the Nation at ransom and deny MARTYDOMM to Netaji. It is National shame that Netaji who gave his all for the freedom of country, his ashes are lying in Renkōji Temple, Tokyo since 18-8-1945. My Japanese friends have been writing to me to get the Ashes from Japan to India.

You are National Secretary (Minority Cell) of B.J.P. Will you kindly make an appeal to Hon'ble Prime Minister to arrange to bring the Ashes from ~~Japan~~ Japan Prime Minister has agreed to grace the occasion of Netaji birthday celebration in New Delhi on 23rd Jan: 2000 and we have decided to make an appeal to the Prime Minister on 23-1-2000. Will you kindly support us. Thanking you. With warmest regards.

Yours sincerely,

S.S.Yadava
(S.S.Yadava) Capt:INA
Gen: Secretary

भारतीय जनता पार्टी

डॉ. सुधीर कीरज नेलसन

सिलवर ओक अस्पताल
जबलपुर (म.प्र.) 482 002
फ़ 0761 324556 324557 28252
नि. 324505



(W)

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

भा.ज.पा.,

अल्पसंख्यक मोर्चा

सदस्य राष्ट्रीय कार्यकालिणी

सदस्य - जनजाति मोर्चा

DATE: 20/1/2000

General Secretary
All India INA Committee
82, DARYAGANJ MARG,
NEW DELHI

Dear Shri S.S.Yadav,

Ref:- Bringing Ashes of Netaji to Jabalpur INDIA.

I am sending my request to Japan Embassy to build a Temple and bring Ashes of Netaji to Tripuri Jabalpur from where he left Indian National Congress to start I.N.A. and freedom struggle for INDIA.

I am sending my request to INDIAN GOVT. Also for not interfering in bringing the disputed ashes to INDIA as we are requesting this to honour our great leader and atleast now after 55years give him proper respect and reverance which he deserved from the people of INDIA.

My Fax to Prime Minister is enclosed herewith, however I will leave no stone unturned to bring the Ashes to INDIA.

With love & regards,

Yours sincerely,

(DR. SUDHIR KUMAR NELSON)

MEMBER NATIONAL EXECUTIVE BJP
VICE PRESIDENT BJP MINORITY MORCH

Dr. NELSON SK

MA, MBBS, MS, MSc, PhD.

NATIONAL SECRETARY BJP
(MINORITY CELL)

NATIONAL

MEMBER: STATE EXECUTIVE BJP

अखण्ड भारत सभा का

अय हिन्द !

‘देशभक्त’

अय लुभाप ।

क्रांतिकारी आजाद हिन्द सेना, लखनऊ

अहमाज्जंज खाता : मरुय ईकाइ - पश्चात्याक्षर

P 113
mud
5/2

प्राचीन 342/00

दिनांक १५ अगस्त २०२०

P M's OFFICE
दिल्ली/New

४८

मेरी भावना, प्रधानमंत्री मर्टेंदर सिंह, झटल विद्यारी बाजपेयी जी, नई दिल्ली/New Delhi, भारत सरकार, नई दिल्ली.

- 2 FEB 2000

બંદીકૃત

REGISTERED

विषय :- भेताजी की अस्थियाँ लाने वाले बक्सय पर प्रतिक्रिया

द्वारा:- जिलाधिकारी, महाराजगंज उत्तर प्रदेश
प्राप्तवर,

विदित है कि भारत के प्रधानमंत्री के पद पर इहत हुए कल नेताजी को उनके 104वीं जन्म दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित करना क्या बास्तव में उचित था ? पुष्पांजलि या अदृश्य लिङ्ग किही जीवित व्यक्ति की सुर्ति या चित्र के सामने दी जा सकती हैं पां नहीं यह विचारणीय होना चाहिए।

चाहे हैं। दूँकि आपने नैताजी के लापता होने का जॉन्च आयोग गठित किया है, इस लिए प्रभाव नहीं भिलने तक उन्हें पुष्टांजलि देना भी आपरिजनक हिति उत्पन्न करता है। पिछे आप धक्का-जत स्तर से जीवित ही नहीं, खाना बदाश्मानते हैं (आपकी लिखीकविता "संतंत्रता दिवस की पुकार" से)। फिर कैसे आप नैताजी की अधिष्ठपों की बस करते हैं? इसका तो सीधा सार्थक होता है कि आतो आपकी कविता झूठी है, और आप नैताजी के मृत्यु के प्रभाविक मानते और जानते हैं। यदि यही सच है, तो देश को नहीं बताकर, उम्मीं धोखा दे रहे हैं। ऐसी हिति में जॉन्च आयोग बैठाने की क्या जरूरत थी?

आप से, राष्ट्रपति महोदय से बार-बार यह अंगकी जाती रही कि "नेताजीके जौन्च-मैलाखों-फरीड़ों लुप्त खर्च करने की कोई आवश्यकता नहीं", वे भाजा इतना ही घोषणा कर दें कि "भारादेश अब स्वतंत्र है, और नेताजी युद्ध अपराधी नहीं है, वे भद्र जीवित हैं, तो भारत उनका स्वागत करने का क्यन बदू है?"

जी भान् आपके द्वारा अधिकाइक रूप से इतना धोषणा करना ही पर्याप्त होगा, इससे अधिक किसी नाटक की जरूरत नहीं थी। आपके गृह मंत्री भट्टेश्वर माननीय आडवाणी जी ने कहा था कि "इंग्लैण्ड ने सुनित किया है कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का नाम विश्वशुद्ध भपराधी भें नहीं है।" प्रश्न इंग्लैण्ड का नहीं है, प्रश्न तो है आप क्या कहते हैं, आपकी सद्कार अहीं धोषणा अपने स्वर से कर देती है, तब भी हीकू है। उक्त धोषणा भें दिये गये समय के बदल अदि नेताजी प्रकृत नहीं होते हैं तो यह मान लिया जायेगा कि नेताजी अब जीवित नहीं है। इस प्रकार देश भें करीहों देश अक्त सुभाष ब्रेग्यों के छु निश्चित भीमांस भिल जायगा।

अतः निरर्थक वात का तूल देकर सुभाष प्रेमियों का आहत करना आपके अधीनस्थ तमाम सरकार (ब्रांटीय) तथा नेताओं, अधिकारियों को कर्तव्य शीर्षा नहीं देता। जगती मनने का सामाजिक संस्कार किसी विद्यापंडित से श्रृंख़ित है, जीवित व्यक्ति की माझ दीर्घायु की कामना अंगलादीप जलस्फर ही की जाती है। अतः अधिकारिक सर से ऐसा सभी सशक्तीयों को सुनिश्चित कर दिया जाय, ताकि अविष्य में इस प्रकार की गलती न दैहरायी जाय भौंर सामाजिक परम्पराओं के साथ-साथ, सर्वेक्ष्य न्यायालय, कलकत्ता उच्च न्यायालय और सभी सुभाष प्रेमियों की ग्रन्थियाँ सुरक्षित रहें।

अन्यथा जिस दिन दुमाषवादी आनंदलन पर उत्तरजापेगा, इसका सरकार का अंग्रेजी ताज उत्तर जापेगा और तभी आपकी उक्त कविता का भाव भी पूर्ण होगा।

अखण्ड भारत सभा का

बय हिंद !

‘देशभक्त’

बय बुधाप !

क्रांतिकारी आजाद हिन्द सेना, लखनऊ

महाराजगंज शाखा : मुख्य ईकाइ - परसावल

पत्रांक ३५५०० ज्ञ श्रेष्ठ

(१)

दिनांक २०.११.१९८०

आप यह भली-भाँति जानते हैं कि उमारादेश १९४७ के जिस अंग्रेजी शर्तों की अधीनता स्वीकार कर आजाद हुमाहौं, उनकी गोपनीयता की अवधि सन् १९९९ के द्वितीय है गयी है। आपने मौरिक रूप से यह भाश्वासन अधोष्टस्ताक्षरी को दिमाभीथा तथा भापकी कविता की थे पंक्तियाँ - 'कैसे उल्लास मनाऊँ मैं, थोड़े दिन की मजबूरी है', इस रस्ते को लोलते हैं कि आप संविधान छमीशा के भाष्यम से जनता को आजादी और भारतीय संविधान की भसलिष्ठ (अनुच्छेद - १७ तथा अन्य भौमिक) तथा 'ईडिपा' शब्द की वारतविकता बताना चाहते हैं। ताकि राष्ट्र की जनता जागृत हों और 'शरी नदी' के तट पर लिपा गया ऐतिहासिक शपथ पूरी हो, भारत फिर अखण्ड भारत बनें।

लेकिन विगत कई से आपके प्रत्येक क्रिया कलायों और वक्तव्यों से यह प्रतीत होता है कि यातो आप जनता को आम अन्य राजनेताओं और सरकारों की तरह दोखा देना चाहते हैं, भातो आप विदेशी (ब्रिटेन / अमेरिका) साजिशों में घिट गये हैं और देश को बरबारी के रास्ते पर ले जा रहे हैं।

पिछले पचास वर्षों के स्वांतर्गत भारत की शासन व्यवस्था के साथ आपकी शासन व्यवस्था का तुलना करते पर हम यह महसूस करते हैं कि बहुराष्ट्रीय कम्युनिश्यों और विदेशी क्रूटनीलियों ने आपको (सुरकार) सर्वाधिक झमावित किया है, जो भाविष्य के लिए अशुभ ही सिद्ध होगा।

परंपरि इस संदर्भ में भैरव पत्र बाए-बार आपको तमाम विषयों से अवगत कराता रहा है, लेकिन पता नहीं क्यों शुरू कभी भी आपका कोई उत्तर ही नहीं मिला। पता नहीं आपतक भैरव निवेदन पहुँचा भी होगा किन्तु, क्योंकि बीच की जो प्रक्रिया है, सम्भवतः उसी प्रक्रिया में छलफल कर रह गया होगा।

इसी संदर्भ में भैरव पत्र यह भी उल्लेख करना चाहूँगा कि राष्ट्रभावित की भवना से प्रेरित होकर इसी अधोष्टस्ताक्षरी ने आपको SUBSTITUTE POWER TO NUCLEAR WEAPONS विषय से हमला-निधन एक नया आविष्कारक सूत देने के लिए २० के लगभग २५ वर्षीय भैरव, आपके अन्य विभागों के भी भैरव। यहाँ तक कि रक्षा मंत्री आजाद साहब के मौरिक सुझाव पर इष्टपी.० जू.० अब्दूल कलाम के कुद्द सारांश प्रत्युत किया (आपका तथा अन्य विभागों की सहितिंग - दिनांक - १७/११/१९८१)। लेकिन आज तक यही ने उसकी सूध न ली। अब तो वट तथा पुस्तक के रूप में सारी इनिया के सामने आने की प्रक्रिया पर है। ये पर हुट्ट विष्णव था कि भैरव परमाणु बम का खतरा हमेशा के लिए टल सकता है।

लेकिन द्रुतगत का विषय है कि उमरै भैरव वैद्यानिक अपने आप हमेशा के कारण कहीं कुंडा शूल तो नहीं है। यही ऐसा है तो राष्ट्र हमेशा दूसरे देशों की नकल दी करता रहेगा। शुरू भए यह भी आशंका है कि यह पत्र आपतक पहुँचेगा कि नहीं, इसलिए इसे जिलाधिकारी के भाष्यम से भी प्रेषित कर रहा है। अन्वेदन का प्रकृत करने के लिए सभा करेंगे। **बहामन्त्री** १०५१००
आपके प्रत्युतर की अपेक्षा में, जय हिंद। भवदीप।

(2)

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
प्रधान मंत्री कार्यालय
PRIME MINISTER'S OFFICE
नई दिल्ली-110011
NEW DELHI-110011

Forwarded to Secretary
M/o Home Affairs

को उचित कार्यवाही के लिए प्रेषित
for appropriate action
इस पत्र को प्राप्ति सूचना नहीं प्रेषी गई है।
The Communications has not been
acknowledged.

(मिस्टर डीएसओ)
(R. L. DHALI)
अधिकारी
Under Secretary
प्रधान मंत्री कार्यालय
Prime Minister's Office

g/c

प्रधान मंत्री कार्यालय ग्र० पत्र स०
दिनांक

Prime Minister's Office U.O. No..... 9151110191998af
Dated.....

4/2/2009
2009
✓ 3/4/2009
3/4/2009

(8)

NETAJI PROBE & RESEARCH FOUNDATION

28, Gurudwara Rakab Ganj Road

New Delhi - 110 001

Phone : 3352273, Telefax : 3714131

Dated 27th January 2000

To

Shri. Atal Behari Vajpayee,
Hon'ble Prime Minister of India,
New Delhi.

Sub: Netaji Subhas Chandra Bose

Dear Prime Minister,

Jai Hind.

We are deeply shocked, appalled and disgusted to read in the press that your goodself has expressed the willingness of your government to bring to India the so called ashes of Netaji claimed to be lying at Renkoji temple. After the appointment of a Commission of Enquiry by your government, and after our meetings with your goodself on 24th March 1999 and 12th Jan.2000, it is extremely difficult to believe that you could have made such a statement which has appeared in almost all the papers all over the country. In the absence of any contradiction by PMO or your government, we have no option but to believe that you made this statement which is most irresponsible and damaging, and amounts to contempt of the Enquiry Commission. We condemn this statement in the strongest possible words and demand the withdrawal of this statement. The nation has been confused about the real motives of the government.

May we remind you that your government has appointed a Commission of Enquiry under the Chairmanship of Mr. Justice M.K.Mukherjee, a retired judge of the Supreme Court of India. One of the terms of reference of the Enquiry Commission is "Whether the ashes in the Japanese temple are the ashes of Netaji". So long as the Enquiry Commission has not submitted its report on the matter, to talk of bringing to India the ashes of Netaji, that too by a person like your goodself, amounts to scuttling the independent functioning of the Enquiry Commission. During your meeting with us you had promised to extend complete cooperation, in the free and fair functioning of the Enquiry Commission; but your actions speak quite opposite to your words. Moreover if this is the beginning , where shall the whole thing end.

Already
atk. vide
oy. No.
FAX
159/DAK
28/11
R
31/1 P 11
DS(S) P 2 31/1 11/2
P.D. 31/1

(1)

- 2 -

The issue of Netaji's disappearance is a national issue and we should rise above all political and partisan considerations, in settling this issue for ever.

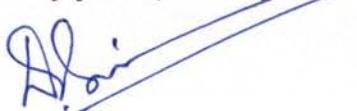
The success of the Enquiry Commission depends on the cooperation it gets from the govt. We look to you for light and guidance, and not confusion and chaos. We appeal your goodself to clarify the position of your government on this issue.

Kindly recall our meeting on 12th Jan.2000, where I raised the issue of shifting the office of the Commission from Calcutta to New Delhi, your goodself also agreed in principle to look into the matter. I am taking this opportunity to request you to take immediate steps to shift the office of the Commission from Calcutta to New Delhi. So that, the activities of the Commission would be more smooth and useful.

Thanking you,

In anticipation,

Sincerely yours,



DEBABRATA BISWAS,
Member of Parliament (Rajya Sabha),
General Secretary, Netaji Probe & Research Foundation.

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
प्रधान मंत्री कार्यालय
PRIME MINISTER'S OFFICE
नई दिल्ली-110011
NEW DELHI-110011

Forwarded to..... Secretary

MHA

को उचित कायदावाही के लिए प्रेषित
for appropriate action
इस पत्र को प्राप्ति सूचना नहीं मंजूरी गई है।
The Communications has not been
acknowledged.

(भिल्ली कुमार ठाकुर)
(B. K. DHAL)
अधिकारी सचिव
Under Secretary
प्रधान मंत्री कार्यालय
Prime Minister's Office

प्रधान मंत्री कार्यालय ग्रे० पत्र स०
दिनांक.....

Prime Minister's Office U.O. No.....
Dated.....

26.2.2000
(W.S)

V. S. W.

NETAJI PROBE & RESEARCH FOUNDATION

28, Gurudwara Rakab Ganj Road
New Delhi - 110 001
Phone: 3352273 Telefax - 3714131

To:
Shri Atal Behari Vajpayee,
Hon'ble Prime Minister of India
New Delhi.

Dated 27th January 2000

Sub: Netaji Subhas Chandra Bose.

Dear Prime Minister:

Jai Hind

We are deeply shocked, appalled and disgusted to read in the press that your goodself has expressed the willingness of your government to believe that the so-called ashes of Netaji claimed to be lying at Renkoji temple. After the submissions of a Commission of Enquiry by your government and after our meetings with your goodself on 24th March 1999 and 27th Jan 2000, it is extremely difficult to believe that you could have made such a statement which has appeared in almost all the papers all over the country. In the absence of any contradiction by PMO or your government we have no option but to believe that you made this statement which is most irresponsible and damaging and amounts to contempt of Enquiry Commission. We condemn this statement in the strongest possible words and demand the withdrawal of this statement. The nation has been confused about the responsibilities of the government.

*2/19/PSC/2000
2/1/9*

To M.K.P.
3/1/1
P.T. 1/1
MM 2/1/1
3/1/1

May we remind you that government has appointed a Commission of Enquiry under the Chairmanship of Mr. Justice M. K. Mukherjee, a retired Judge of the Supreme Court of India. One of the terms of reference of enquiry Commission is "whether the ashes in the Japanese temple are the ashes of Netaji". So long as the Enquiry Commission has not submitted its report on the matter, to talk of bringing back the ashes of Netaji, that too by a person like your goodself, amounts to interference in the independent functioning of the Enquiry Commission. During your tenure as PM, as you had promised to extend complete cooperation, in the free and fair functioning of the Enquiry Commission; but your actions speaks quite opposite. Moreover if this is the beginning, where shall the story end?

The issue of Netaji's Disappearance is national issue, not political and partisan considerations. In settling this issue,

The success of the Enquiry Commission depends upon your open and honest attitude from the govt. We look to you for light and guidance, and to clear confusion and chaos. We appeal your goodself to clarify the position of your government on this issue.

*DS(S)
524 | DS(S) | 91 400
3/1/1*

NETAJI PROBE & RESEARCH FOUNDATION

28, Gurudwara Rakab Ganj Road
New Delhi - 110 001
Phone 3352273 Telefax - 3714131

(D)

Kindly recall our meeting on 12th Jan 2000, where we raised the issue of shifting the office of the Commission from Calcutta to New Delhi, your goodself also agreed in principle to look into the matter. We are taking this opportunity to request you to take immediate steps to shift the office of the Commission from Calcutta to New Delhi. So that, the activities of the Commission would be more smooth and useful.

Thanking you,

In anticipation

Sincerely Yours

DEBABRATA BISWAS,
Member of Parliament /Raiya Sabha
General Secretary
Netaji Probe & Research Foundation

D.P.B.
S. P. S. INR
Debabrata Biswas
Netaji Probe & Research
Foundation

NETAJI PROBE & RESEARCH FOUNDATION

52/7,B.B.GANGULY STREET
CALCUTTA - 12

Delhi Office:
28,Gurudwara Rakab Ganj Road
New Delhi 110 001

Phone 237-3956
Fax. 237-2065

Ref:

5/2/2000



To,
Sri Atal Behari Vajpayee,
Prime Minister of India,
New Delhi.

Sub: Netaji Subhas Chandra Bose.

Hon'ble Prime Minister,
Jai Hind,

P.S.
P.M.
M.K.
10/2

I gratefully acknowledge your letter dated 2nd February, 2000. We are highly relieved and feel extremely grateful to learn that your Govt. has no proposal to bring to India the so-called ashes of Netaji Subhas Chandra Bose allegedly lying at Tokyo. We feel satisfied by your response and hope that in the future also the Government shall maintain the same approach. We are sure that under your stewardship the Govt. of India will not take any decision which may go against the findings of the Justice Mukherjee Commission of Inquiry, or which is not in concurrence with the findings of the above said Commission of Inquiry.

We are pleased to learn that the Govt. has no intention to politicise the matter, or use this matter for partisan consideration. Once again we express our heart-felt gratitude to your goodself for giving the assurance that your Govt. will extend full cooperation in this matter and do everything possible for the smooth and effective functioning of the Commission. We shall feel highly obliged if your Government takes a positive decision about the shifting of the office of the Commission of Inquiry from Calcutta to Delhi.

May I again express gratitude on behalf of all the followers of Netaji Subhas Chandra Bose and the Members of Netaji Probe & Research Foundation for the positive and supporting attitude which your Govt. has maintained towards our requests and appeals, and hope that in future also your goodself shall maintain the same approach.

Thanking you,

Yours Sincerely,

(DEBABRATA BISWAS
General Secretary

मारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
प्रधान मंत्री कार्यालय
PRIME MINISTER'S OFFICE
नई दिल्ली-110011
NEW DELHI-110011

(W)

Forwarded to..... Secretary

M/o Home Affairs

को उचित कायदाही के लिए प्रेषित
for appropriate action
इस पत्र को प्राप्ति सूचना नहीं मंजूरी गई है।
The Communications has not been
acknowledged.

(M)

प्रधान मंत्री कार्यालय गोपन सं.

दिनांक

Prime Minister's Office U.O. No.....

Dated.....

915/11/c/9/99Pal

9.2.2000

V.M.(P.S.)
✓ 2/9/2000



Jai Hind

ભારત ગાંધીવાદી એકત્રાભ્યવ્દી મુખ્ય શાંતિ સંઘરણ (ર)
**GANDHIAN UNITY DEVELOPMENT &
PEACE ORGANISATION OF INDIA (R)**

NO. 41, 4TH BLOCK, 6TH MAIN, RAJAJINAGAR, BANGALORE - 560 010. INDIA
Phone : 3303383 / 3303122

Founder President :
Sri Rajayogindra Veerayya
Swamy Shastrimath Guruji,
(Ex Youth and Congress worker
1954-71) "Lokajeeva Hitachintaka",
Social worker since freedom
movement - Karnataka Unification

Vice President :
Sri R.J. Desai
Sri B.G. Thimmapaiah
Sri B.S. Shivappa Setty
Sri. A.P. Mulla
Sri. G.R. Shivashankar

Sri.K.M.Swamy Hiremath

Supreme Court Advocate General Secretary :
Sri. K. Sajjan

Organising Secretary :
Sri. D. Marappa

Treasurer / Gen. Secretary :
Sri. Chandrashekhar Meti

Joint Secretary :
Sri. M.S. Hiremath
Sri. S.J. Puranik
Smt. Vijayalakshmi Bhat

Members :
Sri. Guru Shastrimath
Sri. Karumbaiah
Sri. Basavaraj Nandidwaj
Sri. N.P. Jagadish
Prof. C.M. Chikkodi

To,

15 Date: 30.01.2000

Sri. Atal Behari Vajpayee,
Hon'ble Prime Minister of India,
New Delhi.

Sub: Bringing of Netaji's ashes to India is Unwarranted.

Dear Shri Prime Minister,

We are deeply shocked and regreted to read in the press that your goodself has expressed the willingness of your Government to bring to India the so called ashes of Netaji claimed to be lying at Renkoji temple (Japan).

That the fact, about the death of Netaji in a plane accident is not at all proved so far. So the question of bringing the ashes of Netaji is rediculous and unwarranted. The previous Government had appointed a Commission enquiry to submit its report regarding the air accident in which Netaji was travelling in that plane, but it was failed to submit its report so far.

The present Government after the expiry of nearly 5 decades is unable to come to the real fact of demise of Sri. Netaji. Further, researches are going on to this effect. So it is to our humble submission to your goodself that, please, call for the entire records from the concerned Foreign Countries, where Netaji was residing to achieve his ultimate aim to secure Independence to India through I.N.A. activities.

We hope that your goodself will do the needful in the interest of the thousands of well wishers of Sri. Netaji.

An early reply is expected by your goodself.
Thanking you Sir,

Yours truly,

K.N.SWAMY
(K.N.SWAMY)
Supreme Court
Advocate

We are listed in the updated edition of the World Directory of Peace Research and Training Institutions, UNESCO
<http://www.unesco.org/general/eng/infoserv/db/dare.html>



New Delhi
February 2, 2000

Dear Shri Biswas,

I have received your letter of 27th January 2000. At the outset, let me clarify that there is no immediate proposal before the Government to bring the ashes lying at Renkoji temple to India. The reference made to the same was in the context of a volume of correspondence received from different quarters requesting the Government to do the same. Any action in this regard will be initiated by the Government only if there is a broad agreement in this regard. The findings of the Enquiry Commission, of course, will be a fundamental consideration in any such decision.

There is no question of the Government politicising the issue or being guided by partisan considerations in the matter. Government will await the report of the Enquiry Commission and extend cooperation in every manner to ensure that the Commission is able to function smoothly and effectively.

So far as the shifting the office of the Commission from Calcutta to Delhi is concerned, this is being looked into.

With regards,

Yours sincerely,

A.B. Vajpayee
(A.B. Vajpayee)

Shri Debabrata Biswas, MP
General Secretary
Netaji Probe & Research Foundation
28, Gurudwara Rakab Ganj Road
New Delhi-110 001

No. 915/11/C/9/99-Pol.Vol.II

February 11, 2000

Copy with a copy of the letter under reference forwarded to Home Secretary for information.

S.N. Sahai
[S.N. Sahai]
Deputy Secretary

Ac

9278010002
MIC



प्रधान मंत्री

PRIME MINISTER

(P)

New Delhi
February 2, 2000

Dear Shri Biswas,

I have received your letter of 27th January 2000. At the outset, let me clarify that there is no immediate proposal before the Government to bring the ashes lying at Renkoji temple to India. The reference made to the same was in the context of a volume of correspondence received from different quarters requesting the Government to do the same. Any action in this regard will be initiated by the Government only if there is a broad agreement in this regard. The findings of the Enquiry Commission, of course, will be a fundamental consideration in any such decision.

There is no question of the Government politicising the issue or being guided by partisan considerations in the matter. Government will await the report of the Enquiry Commission and extend cooperation in every manner to ensure that the Commission is able to function smoothly and effectively.

So far as the shifting the office of the Commission from Calcutta to Delhi is concerned, this is being looked into.

With regards,

Yours sincerely,

A.B. Vajpayee
(A.B. Vajpayee)

Shri Debabrata Biswas, MP
General Secretary
Netaji Probe & Research Foundation
28, Gurudwara Rakab Ganj Road
New Delhi-110 001

PS (S)
R
4/2
To MHA.
for info
11- P-111
MAY 2000
P.M.

Home Secy
95/11/c/9/99pal
vol-II

D.F.A
18

New Delhi
January 31, 2000

Dear Shri Biswas,

I have received your letter of 27th January, 2000.

At the outset, let me clarify that there is no immediate proposal before the Government to bring the ashes lying at Renkoji temple to India. The reference made to the same was in the context of several letters and correspondence received from different quarters requesting the Government to do the same. Any action in this regard will be initiated by the Government only if there is a general consensus within the country that the same should be done. *By findings of the Enquiry Commission, of course, will be a fundamental consideration in this* Further, there is no question of the Government politicising the issue or being guided by political or partisan considerations in the matter. Government will await the report of the Enquiry Commission and extend cooperation in every manner to ensure that the Commission is able to function smoothly and effectively.

So far as
~~As regards~~ the shifting the office of the Commission from Calcutta to Delhi, this is under active consideration of the Government. *is concerned* *being looked into.*

With regards,

Yours sincerely,

(A.B. Vajpayee)

Reply on these lines:-
PM's office got several letters saying requesting for bringing back the ashes we said unless there is a general consensus it can't be thought of. There is no immediate

ta Biswas, MP
etary
& Research Foundation
ra Rakab Ganj Road
10 001

Proposal to take any action.

DRAFT

(19)

Dear

I have received your fax of January 27, 2000 regarding shifting of the office of the Commission of Inquiry of Netaji Subhas Chandra Bose from Calcutta to Delhi.

With regards,

Yours sincerely,

PM

Shri Debabrata Biswas, MP

DFA pl.

R
28/1

DS(S)-O.T.
J.S.(S)

May please see the first para of the letter of MP which is rather harsh. Before acknowledging, it may be considered whether any press clarification is to be issued or not [You may consult OSD(A) or Press Adviser].

PS(A) to PM

Janardan Singh
28/1/2000

NETAJI PROBE & RESEARCH FOUNDATION

28, Gurudwara Rakab Ganj Road
New Delhi - 110 001
Phone : 3352273, Telefax : 3714131

Dated 27th January 2000

To
Shri. Atal Behari Vajpayee,
Hon'ble Prime Minister of India,
New Delhi.

Sub: Netaji Subhas Chandra Bose

Dear Prime Minister,

Jai Hind.

We are deeply shocked, appalled and disgusted to read in the press that your goodself has expressed the willingness of your government to bring to India the so called ashes of Netaji claimed to be lying at Renkoji temple. After the appointment of a Commission of Enquiry by your government, and after our meetings with your goodself on 24th March 1999 and 12th Jan 2000, it is extremely difficult to believe that you could have made such a statement which has appeared in almost all the papers all over the country. In the absence of any contradiction by PMO or your government, we have no option but to believe that you made this statement which is most irresponsible and damaging, and amounts to contempt of the Enquiry Commission. We condemn this statement in the strongest possible words and demand the withdrawal of this statement. The nation has been confused about the real motives of the government.

May we remind you that your government has appointed a Commission of Enquiry under the Chairmanship of Mr. Justice M.K.Mukherjee, a retired judge of the Supreme Court of India. One of the terms of reference of the Enquiry Commission is "Whether the ashes in the Japanese temple are the ashes of Netaji". So long as the Enquiry Commission has not submitted its report on the matter, to talk of bringing to India the ashes of Netaji, that too by a person like your goodself, amounts to scuttling the independent functioning of the Enquiry Commission. During your meeting with us you had promised to extend complete cooperation in the free and fair functioning of the Enquiry Commission; but your actions speak quite opposite to your words. Moreover if this is the beginning, where shall the whole thing end.

19/1/2000
Office of J. S. (J)
Dy. No. 52-NP
Date..... 28/1/2000
928/POL/2000
141

म.स.स./V.I.R. 98035083
दाव री फॉ/Diary No.....
दिनांक/Date .. 14.02.2000

159/DAK 184/DS(D)/V/ 8000
28/1 772

$\text{JS}(J)$

(b) $\pi B/L$ is small

Музыкальные
инструменты

(21)

- 2 -

The issue of Netaji's disappearance is a national issue and we should rise above all political and partisan considerations, in settling this issue for ever.

The success of the Enquiry Commission depends on the cooperation it gets from the govt. We look to you for light and guidance, and not confusion and chaos. We appeal your goodself to clarify the position of your government on this issue.

Kindly recall our meeting on 12th Jan.2000, where I raised the issue of shifting the office of the Commission from Calcutta to New Delhi, your goodself also agreed in principle to look into the matter. I am taking this opportunity to request you to take immediate steps to shift the office of the Commission from Calcutta to New Delhi. So that, the activities of the Commission would be more smooth and useful.

Thanking you,

In anticipation,

Sincerely yours,



DEBABRATA BISWAS,
Member of Parliament (Rajya Sabha),
General Secretary, Netaji Probe & Research Foundation.

**प्रधान मंत्री कार्यालय
PRIME MINISTER'S OFFICE**

2

नई दिल्ली-110 011
New Delhi-110 011

Subject: Lok Sabha Provisional Notice Dy. No. 2554
for 1.3.2000 regarding Netaji's ashes.

* * * * *

Reference is invited to MHA u.o. No. I/13012/32/2000-IS(D.III) dated 23.2.2000 on the subject mentioned above.

2. PMO has no more information on the subject than the MHA itself would have.

[S.N.Sahai]
Deputy Secretary

MHA (Shri M.S. Zuha - Desk Officer, IS (D.III) Desk)

PMO u.o. No. 915/11/C/9/99-Pol.

dated: 25.2.2000

(23)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
IS(D.III) DESK

Subject: Lok Sabha provisional Starred Question Dy. No.2554 for 1.3.2000 regarding Netaji's ashes.

Lok Sabha's provisionally Starred Question reads as under:

- a) whether . . attention of the Government has been drawn to the news-item appeared in the Hindustan Times dated January 24, 2000 under the caption 'Government ready to help bring back Netaji's ashes' ;
- b) whether the Government have decided to initiate the process of bringing the ashes of Netaji Subhash Chandra Bose from Japan provided there is a consensus on the issue;
- c) if so, wheter the Government have set up a Commission to probe into Netaji death;
- d) the progress made by Government in this regard?

2. Parawise comments alongwith Note for Supplementaries may please be sent to this Ministry immediately.

M.S. Zuhra,
(M.S. Zuhra)
DESK OFFICER

PMO(Shri Jarnail Singh, Joint Secretary) South Block.

MHA UO No.I/13012/ 32 /2000-IS(D.III), dated 23.2.2000

Copy to:

Ms Neeta Bhushan, Under Secretary(JK), South Block, New Delhi,

Par. Section

On a similar question it has been approved that we may send a reply saying that PMO has no more information on the subject than MHA itself would have. A similar reply may be sent. For approval.

DS (S)

24/2/2000
L
111

24/2/2000
MM
M12

DS (S)

MWS
25/2

2/2/2000
2/2/2000

Office of J. S. (J)
Dy. No..... 515-G
Date..... 24/2/2000
8:12 AM 10/03/2000

प्रधान मंत्री कार्यालय
PRIME MINISTER'S OFFICE

नई दिल्ली-110 011
New Delhi-110 011

Subject: Rajya Sabha Provisional Notice Dy. No. 002491
for 2.3.2000 regarding Netaji's ashes.

Reference is invited to MHA u.o. No. I/13013/45/~~2000 IS(D.III)~~ dated 22.2.2000 on the subject mentioned above.

2. PMO has no more information on the subject than the MHA itself would have.

[S.N.Sahai]
Deputy Secretary

MHA (Shri M.S. Zuha - Desk Officer IS (D.III) Desk)

PMO u.o. No. 915/11/C/9/99-Pol.

dated: 25.2.2000

of c
P.M.

26/2

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
IS(D.III) DESK
**

(25)

Subject: Rajya Sabha provisional Notice Dy. No. 002491 for 2.3.2000 regarding Netaji's ashes.

Rajya Sabha's provisionally Starred Question Dy. No. 002491 for 2.3.2000 reads as under:

- a). Whether Govt propose to initiate steps to bring home ashes of Netaji Subhas Chandra Bose from Japan and kept at Red Fort?
 - b) If so, the details thereof; and
 - c) If no, the reasons thereof?
2. Parawise comments alongwith Note for Supplementaries may please be sent to this Ministry immediately.

M. S. ZUHA
(M.S. ZUHA)
DESK OFFICER

PMO(Shri Jarnail Singh, Joint Secretary) South Block.

MHA UO No. I/13013/45 /2000 dated 22.2.2000

PA. Section

It may be seen that MHA has appointed a Commission of Inquiry on the disappearance of Netaji Subhash Chandra Bose. One of the terms of reference of the Commission is to enquire whether the ashes in the Japanese temple are ashes of Netaji (vide para- 2 of the Notification dt 14/5/99 at F/X).

All information about the question may be available with MHA. We may mention to MHA that PMO has no more information on the subject than the Ministry of Home Affairs itself would have.

DSC(S)

JS(S)

DSC(S)

P.O.

DAWAL
J. H. A.
24/2

J. M. R. S.
24/2/2000

2/2/2000
2/3

Office of J. S. (J)
Dy. No. 506-5
Date 23/2/2000
864/OS/CS/9/2000
23/2

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
प्रधान मंत्री कार्यालय
PRIME MINISTER'S OFFICE
नई दिल्ली-110011
NEW DELHI-110011

26

Forwarded to..... Secretary

..... M/o Home Affairs

को उचित कार्यवाही के लिए प्रेषित
for appropriate action.....
इस पत्र को प्राप्ति सूचना नहीं भेजी गई है।
The Communications has not been
acknowledged.

(बिष्णु कुमार ढला)
(B. K. DHAL)

अवर सचिव
Under Secretary

प्रधान मंत्री कार्यालय
Prime Minister's Office

प्रधान मंत्री कार्यालय गै० पत्र सं०
दिनांक.....

Prime Minister's Office U.O No 915/11/19/1990
Dated.....

24/4/2020

MILAN SAMITI

(A Socio-Cultural Organisation)

ROYNAGAR (RLY.-SIDING), KARIMGANJ, ASSAM.

ESTD. — 1991

REGN. NO. — 2290/94-95

(1)

Ref: 3RD ENQUIRY COMMISSION ON NETAJI'S MYSTERIOUS DISAPPEARANCE

Date ... 31.03.2000

To,

Shri Atal Behari Vajpayee
Hon. Prime Minister of India,
New Delhi — 110 001.

Advance copy sent direct to the Prime
Minister

PMO कार्यालय
प्रधानमंत्री/New Delhi

- 8 APR 2000

पंजीयन
REGISTERED

Through The Deputy Commissioner, Karimganj

Respected Sir,

We, in tune with millions of Indian people, express our heart felt gratitude and thanks to the previous Central Government led by hon. Sri Atal Behari Vajpayee for taking the strong and sensuous decision of forming the **Third Enquiry Commission** to unfold the mystery of disappearance of Netaji Subhash Chandra Bose, the most revered personality in the history of Indian freedom movement.

The two previous Commissions— **Shah Nawaz Commission** and **Khosla Commission** set up for the same purpose by Pandit Jawahar Lal Nehru and his daughter, Mrs. Indira Gandhi respectively had failed invariably to fulfil the desires and aspirations of the people of India to the extent that it was reasonably felt that both the **Commissions** were premonitored and meant only to justify and establish the 'popular aircrash story' as factual truth. In this context, we would take the opportunity to quote **Sri Suresh Chandra Bose**, one of the three members of **Shah Nawaz Commission**—

"It appears that from all that has transpired during the pendency of this enquiry, that after getting Netaji's death confirmed by the committee, the ultimate object of the Government is to bring those 'Ashes' from Tokyo as 'Netaji's Ashes'." (*Dissentient Report, Second Edition, Page 4*)

The same statement is applicable to **Khosla Commission**, too. For your kind information, it would not be out of context to mention that **The Amrita Bazar Patrika** of Calcutta published a report on 15 April, 1962 that some American Forensic Experts had proved that 'The Ashes' kept in **Renkoji temple**, Japan are not of any human being but are probably of a dog or a similar animal.

To believe that **Netaji** was alive even after "The crash" in 1945 is **not** without sufficient reasons. His voice had been heard on Radio several times after the "said crash" and it is on record that on December 19, 1945, one such Radio speech was heard by the then Bengal Governor's Radio Monitor, Mr. Kar, as below—

"This is Radio Manchuria, Subhash Bose speaking. We are under the shelter of one of the great powers of the World. We are sure to be successful within two years. I will go to India on the crest of a third World War and sit in judgement upon those who are trying my officers and my men at Red Fort."

In Calcutta, **Netaji's** Radio speeches were heard on **not less than three occasions** in the months of December 1945 & January and February 1946. Not only in India but also in many other parts of the World, his Radio speeches were heard.

Further more, in 1994, a research team from **The Asiatic Society** of Calcutta while at research in Russia on Indo-Soviet relationship during the period from 1917 to 1947, obtained sufficient conclusive clues to opine that **Bose** had been in Russia even in the year, 1946. **Ms. Purabi Roy**— a researcher from the team sought permission and help from the then Government of India to carry on the investigative activities in this matter but the request surprisingly was not only denied but also any such attempt was ironically discouraged.

During the terrible phase of the Indian freedom movement, the British Imperialists resorted to '**Agency Politics**' so as to sabotage the nationalist movement from within and later on being compelled to leave the subcontinent, they transferred the administrative power to those agents who and whose successors, obviously, were not interested in solving the "**Mystery of Netaji's Disappearance**" and hence, no sincere effort was made, ever. On the contrary, ill attempts were made to close the chapter by bringing '**The Ashes**' from Japan and confirming it as '**Netaji's Ashes**'. Hence, the reports had been stuffed with contradictory statements and controversial witnesses so as to mask the ill intentions of the earlier commissions.

Continued ...

MILAN SAMITI

(A Socio-Cultural Organisation)

ROYNAGAR (RLY.-SIDING), KARIMGANJ, ASSAM.

ESTD. — 1991

REGN. NO. — 2290/94-95

BB

(2)

Ref. 3RD ENQUIRY COMMISSION ON NETAJI'S MYSTERIOUS DISAPPEARANCE

Date 31.03.2000

Moreover, the wealth belonging to Azad Hind Bank still remains untraced. Ms. Purabi Roy— the professor and researcher was told by Col. Hugh Toye (A British Military Intelligence Officer during the second World War and the writer of the book, "The Springing Tiger".) that the latter had himself handed over huge amount of wealth to Pandit Jawahar Lal Nehru, the whereabouts of which is still not known. The world knows that, in response to Netaji's Call, thousands of Indians and non-resident Indians had donated their whole lives' earnings for their motherland's freedom movement. Hence, in addition to unfolding of the mystery of disappearance of Netaji, we also demand for an inquiry into the vanished property of the Azad Hind Bank which invariably belongs to the nation, not to any particular person.

We nourish this hope in our heart that the Central Government under the leadership of Sri Atal Behari Vajpayee would extend a helping hand by providing all the related documents to the Third Enquiry Commission formed by the previous Government and at the same time, would also request the countries related to the matter to cooperate with The Commission by allowing the Commission to see and use the various documents at their disposal so that the mystery could be unfolded.

We have the strong belief that an honest exercise of power by the central Government will invariably unveil the greatest mystery of the 20th century and establish the truth in its actual footings. And for this act of sincerity, we, alongwith millions of Indian people, would be thankful to the Government, forever.

JAI HIND !

Sankar Banik.

(Shankar Banik)

President

'MILAN SAMITI' President,

Karimganj, **MILAN SAMITI**,

Roy Nagar (Rly Siding)

KARIMGANJ.

Copy forwarded to —

1. Shri K.R. Narayanan, Hon. President of India.
2. Shri. L.K. Advani, Hon. Home Minister of India.
3. Shrimati Mamata Banerjee, Hon. Minister, Railways.
4. Shri Jaswant Singh, Hon. Minister External Affairs
5. Shri Arun Jaitley, Hon. Minister, Information & Broadcasting.
6. Shri G.M.C. Balayogi, Hon. Speaker Lok Sabha.
7. Shri Nepal Ch. Das, Hon. Member of Parliament
8. Shri Manoj Kumar Mukhopadhyay, Hon. Chairman, Third Enquiry Commission.
9. Hon. President, Forward Block.
10. Hon. Secretary, Netaji Research Bureau.

Cordially

on behalf of millions of

Netaji's Admirers,

Prabal Kanti Sen

(Prabal Kanti Sen)

Secretary

'MILAN SAMITI'

Roynagar. (Rly-siding), Karimganj.

GENERAL SECRETARY,
MILAN SAMITI,

Roynagar (Rly. Siding)

Karimganj, Assam.

(Shankar Banik)

President

'MILAN SAMITI'

Karimganj.

(Prabal Kanti Sen)

Secretary

'MILAN SAMITI'

Roynagar. (Rly-siding), Karimganj.